



Class 7

Sanskrit

कक्षा -सप्तमी - शा - [Lesson - 3]

छात्रों! इस Lesson में आपके लिए पाठ-1 "वैभवस्य जन्मदिवसः" (लट्-लृट् लकारयोः पुनरावृत्तिः) की संस्कृत - हिंदी सरलार्थ व अभ्यास के लिए प्रश्न दिए जा रहे हैं। आप सरलार्थ को समझें तथा यदि आपके पास पुस्तक है तो पुस्तक में अभ्यास हल करें, अन्यथा संस्कृत की कॉपी में हल करें।

प्रथमः पुरुषः - प्रथम पुरुष

- |                                  |   |
|----------------------------------|---|
| 1. छात्रः पाठं पठति।             | छात्र पाठ को पढ़ता है।                  |
| 2. छात्रः पाठं पठिष्यति।         | छात्र पाठ को पढ़ेगा।                    |
| 3. कन्ये क्रीडाक्षेत्रे क्रीडतः। | दो कन्यारुं खेल के मैदान में खेलती हैं। |
| 4. कन्ये कन्दुकेन क्रीडिष्यतः।   | दो कन्यारुं खेल के मैदान में खेलेंगी।   |
| 5. महिलाः कुत्र तिष्ठन्ति।       | महिलारुं कहाँ ठहरती हैं। बैठती हैं।     |
| 6. महिलाः गृहे स्थास्यन्ति।      | महिलारुं घर में ठहरेंगी। बैठेंगी।       |

मध्यमः पुरुषः -

- |                                |                             |
|--------------------------------|-----------------------------|
| 1. त्वं हस्तेन लेखं लिखसि।     | तुम हाथ से लेख को लिखते हो। |
| 2. त्वं हस्तेन लेखं लिखिष्यसि। | तुम हाथ से लेख को लिखोगे।   |
| 3. युवां जलं पिबथः।            | तुम दोनों जल पीते हो।       |
| 4. युवां जलं पास्यथः।          | तुम दोनों जल को पीओगे।      |
| 5. यूयम् उच्चैः हसथ।           | तुम सब जोर से हँसते हो।     |
| 6. यूयम् उच्चैः हसिष्यथ।       | तुम सब जोर से हँसोगे।       |

उत्तमः पुरुषः -

1. अहं फलं खादामि। मैं फल को खाता हूँ।
2. अहं फलं खादिष्यामि। मैं फल को खाऊंगा।
3. आवां तरणतले तरावः। हम दोनों तैरने के तालाब में तैरते हैं।
4. आवां तरणतले तरिष्यावः। हम दोनों तैरने के तालाब में तैरेंगे।
5. वयम अद्य कार्यं कुर्मः। हम सब आज काम करते हैं।
6. वयं इवः कार्यं करिष्यामः। हम सब कल काम करेंगे।

वार्तालाप:- वातचीत

(वैभवः राधिका च मित्रे स्तः।)

(वैभव और राधिका दो मित्र हैं।)

वैभव:- नमस्ते राधिके! त्वं कथं असि?

वैभव - नमस्ते राधिका! तुम कैसे हो?

राधिका- अहं स्वस्था अस्मि। त्वं कथम् असि?

राधिका - मैं स्वस्थ हूँ। तुम कैसे हो?

वैभव:- अहम् अपि कुशलः अस्मि। किं त्वं श्वः मम गृहम् आगमिष्यसि?

वैभव - मैं भी कुशल हूँ। क्या तुम कल मेरे घर आओगी।

राधिका - किमर्थम् ?

राधिका - किसलिए?

वैभव:- श्वः मम जन्मदिवसः भविष्यति। साद्यं गृहे यज्ञं भविष्यति। ततः  
अहं केकं कर्तिष्यामि। मम अन्यानि मित्राणि अपि आगमिष्यान्ति। नद्यं  
सर्वे मिलित्वा गास्यामः, सुस्वादु भोजनं च खादिष्यामः। पिता मह्यम्  
उपहारं पुस्तकानि आनिष्यति माता च नवीनपरिधानं दास्यति।

वैभव - कल मेरा जन्मदिन होगा। शाम को घर में हवन होगा। उसके  
बाद मैं केक काटूंगा। मेरे अन्य मित्र भी आरुंगे। हम सब मिलकर  
गायेंगे और स्वादिष्ट भोजन खाएंगे। पिता जी मेरे लिए उपहार  
लाएंगे और माता जी नए कपड़े देंगी।

राधिका - अहम् अवश्यमेव आगमिष्यामि। अतीव आनन्दः भविष्यति।

राधिका - मैं अवश्य ही आऊंगी। बहुत आनन्द (खुशी) होगा।

वैभव:- अस्तु, श्वः मेलिष्यावः।

ठीक है, कल मिलेंगे।

(उभौ गृहं गच्छतः)

दोनों घर जाते हैं।



अभ्यास: (संस्कृत की क्लासी में करें)

प्रश्न-1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखें।

- (क) त्वं क्वेन लेखं लेखिष्यसि?
- (ख) श्वः कस्य जन्मादिवसः भविष्यति?
- (ग) गृहे यज्ञं कदा भविष्यति?
- (घ) माता वैभवाय किं दास्यति?
- (ङ) वैभवस्य मित्रं का अस्ति?

प्रश्न-2. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देश के अनुसार क्रियापद को बदलिये।

- (क) माता महयज्ञ उपहारं दास्यति (लट् लकारे)
- (ख) वयं दुग्धं पिबामः। (लृट् लकारे)
- (ग) तौ कुत्र गमिष्यतः। (लट् लकारे)
- (घ) अहं गीतं गायामि। (लृट् लकारे)
- (ङ) छात्रः लेखं लेखिष्यति। (लट् लकारे)

प्रश्न-3. दिए गए वाक्यों में उचित विकल्प से रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए।

- (क) वयं कन्दुकैः \_\_\_\_\_। (क्रीडिष्यामः, क्रीडिष्यामि, क्रीडिष्याते)
- (ख) जनकः आपणान् \_\_\_\_\_। (आगच्छिष्यति, आगमिष्यति, आगमिष्यावः)
- (ग) बालकाः फलरसं \_\_\_\_\_। (पिबति, पिबामि, पिबन्ति)
- (घ) आवां प्रसन्नौ \_\_\_\_\_। (अस्मि, स्वः, स्तः)
- (ङ) पिता शेटिकाः \_\_\_\_\_। (पक्ष्यति, पक्ष्यसि, पक्ष्यन्ति)

प्रश्न 4. मंजूषा से उचित पद पुनर्र रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।

[मंजूषा → तरिष्यावः, व्रीष्यामि, गास्यामि, तिष्ठन्ति, भविष्यति]

- (क) महिलाः कुत्र \_\_\_\_\_?
- (ख) वयं गीतं \_\_\_\_\_।
- (ग) साद्यं गृहे यज्ञं \_\_\_\_\_।
- (घ) आवां तरणताले \_\_\_\_\_।
- (ङ) अहं केव् \_\_\_\_\_।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

- (क) अर्चना और बनीता जाती हैं।
- (ख) दो पक्षी मीठा खूजते हैं।

(ग) मैं विद्यालय जाऊँगी।

(घ) तुम दूध कब पिओगे ?

(ङ) सैनिक देश की रक्षा करेंगे।

प्रश्न 6. दिए गए वाक्यांशों को मिलाइए -

(क) धालिके तत्र स्थास्यामः

(ख) त्वम् किम् शशिष्यतः

(ग) अहम् अवश्यम् गास्यतः

(घ) तौ सैनिकौ आगमिष्यामि

(ङ) वयम् गृहे करिष्यासि ?

प्रश्न 7. दिए गए पदों की धातु लिखिए।

(क) स्थास्यति \_\_\_\_\_ (ख) नंस्यति \_\_\_\_\_

(ग) द्रक्ष्यति \_\_\_\_\_ (घ) तशिष्याति \_\_\_\_\_

(ङ) चलिष्यति \_\_\_\_\_ (च) गास्यति \_\_\_\_\_